S-357

Total Pages : 3 Roll No. ....

DVS-102

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वर्णपरत्वेन भूमि का वर्णन करते हुए भूशोधन प्रकार का प्रतिपादन कीजिए।

2. काल से आप क्या समझते हैं? तिथ्यादि पंचांग का वर्णन करें।

3. शल्यज्ञान कैसे करते हैं? विस्तृत उल्लेख कीजिए।

4. आयादि फल विचार का लेखन करें।

5. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र में क्या अन्तर है? समझाते हुए लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. ग्रामवास का शुभाशुभत्व पर प्रकाश डालिए।

2. शल्योद्धार का विवेचन कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. आय साधन कैसे करते हैं?

5. गृहनिर्माण का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।

6. गृह मेलापक से क्या तात्पर्य है?

7. सोदाहरण 'काकिणी विचार' का लेखन कीजिए।

8. सम्प्रति वास्तुशास्त्र का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।